ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-७६
दिनांक-शुक्रवार,४ अक्टूबर,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २९.३ एवं २३.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९५ सुबह में एवं दोपहर में ८५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.८ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ४.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.५ एवं दोपहर में २८.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में १०.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(५-९ अक्टूबर,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ५-९ अक्टूबर,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं। अगले २४-३६ घंटो के दौरान तराई एवं मैदानी जिलों में हल्के से मध्यम वर्षा हो सकती है। इसके बाद के पूर्वानुमानित अवधि में कहीं-कहीं छिट-पूट वर्षा होने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान ३१ से ३३ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन ५ से ८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा चलने का अनुमान है। १-२ स्थानों में पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ७५ से ८० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछले ५-६ दिनों में उत्तर बिहार के तराई एवं मैदानी जिलों के अनेक स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हुई है। जिसके कारण खेतों में जल जमाव की स्थिति एवं कहीं-कहीं बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में बर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाईयों को फिलहॉल कृषि कार्यो में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है। कीटनाशक दवाओं का फसलों में छिड़काव मौसम साफ रहने पर हीं करें।
- खड़ी फसलों एवं सब्जियों में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें।
- सब्जियों की नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। पौधशाला को वर्षा एवं धुप से बचाने के लिए ४० % छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें। वर्त्तमान मौसम में सब्जियों की पौधशाला में पौध गलन की समस्या देखी जा सकती है। अतः किसान भाई नियमित रुप से पौधशाला की निगरानी करते रहें। पौध गलन की समस्या दिखने पर अनुशंसित फफूँदनाशक दवा का छिड़काव करें।
- विषाणु से ग्रसित टमाटर एवं मिर्च के पौधों को जड़ से उखाड़ कर जला दें। रोग की तीब्रता अधिक होने पर इमिडाक्लाप्रिड १ मी०ली० प्रति ३ ली० पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पिछात बरसाती भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पुरी तरह नष्ट कर देते हैं। इसकी रोक-थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफॉस २५ ई०सी० दवा का २ मी०ली० प्रति लीटर पानी या डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों पौधों के बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक-एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०-१५ किलोग्राम की दर से भूरकाव मौसम के शुष्क रहने पर करें।
- ऊचाँस खेतों में अगात रवी फसलों की बुआई के लिए वर्षा उपरान्त खेतों की तैयारी शुरु करें। गोबर की सडी खाद १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है।
- बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पशुओं को न चरावें। बाढ़ प्रभावित चारा खाने से पशुओं में लीवर फ्लु, डाइरिया बिमारी हो सकती है। पशुओं के गोबर, पेशाब एवं अन्य कचरे को उचित स्थान पर रखें। ऐसा न करने से पशु गृह में मक्खी, परजीवी किलनी एवं रोगवाहक कीड़े मकोड़े पनपते है एवं संक्रमन फैलाते हैं। इस मौसम मे पशु गृह को हवादार रखें एवं नियमित रूप से साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें। किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। सर्पदंश से वचने के लिए वाड़े (पशु गृह) में रोशनी की समुचित व्यवस्था करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३०.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.८ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः २४.७ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.८ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी